THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

GRADE- 10 AB

प्रश्न 1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए

'मनुष्य-मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) सबसे बड़ा विवेक क्या है?
(क) शास्त्रों का ज्ञान होना
(ख) संसार के रहस्य का ज्ञान होना
(ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना
(घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना

(ii) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है?
(क) परमपिता परमेश्वर
(ख) पालन-पोषण करने वाला
(ग) परिवार का मुखिया
(घ) स्वंय को पिता मानने वाला

(iii) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है?
(क) रूप-रंग में अंतर के कारण
(ख) विचारों के अलग होने के कारण
(ग) विभिन्न जाति में जन्म लेने के कारण

(घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण

(iv) सबसे बड़ा अनर्थ है
(क) भाई ही भाई को सम्मान न दे
(ख) भाई ही भाई का कष्ट दूर करे
(ग) भाई ही भाई का दुख दूर न करे)
(घ) भाई ही भाई को अपना सहायक माने

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर चार प्रश्नों के सर्वाधिक सही विकल्पों का चयन कीजिए -

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं।... दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाज़त दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है।

ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। मेरी माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की। लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। इस गुनाह को खुदा से मुआफ़ करने के लिए उसने पूरे दिन रोज़ा रखा दिनभर कुछ खाया-पिया नहीं। सिर्फ़ रोती रही और बार-बार नमाज़ पढ़-पढ़कर खुदा से इस गलती को मुआफ़ करने की दुआ माँगती रही।

(i) लेखक की माँ सूरज ढलने पर क्या करने को मना करती है ?
(क) खाना खाने को
(ख) बाहर जाने को
(ग) आंगन के पेड़ पत्ते तोड़ने को
(घ) बाहर खड़े होने को

(ii) लेखक की माँ दरिया को क्या करने को कहती है?

(क) साफ़ करने को

(ख) देखने को

(ग) सलाम करने को

(घ) कुछ नहीं

(iii) दूसरा अंडा किसकी गलती से टूटा?

(क) बिल्ली

(ख) लेखक

(ग) माँ

(घ) कबूतर

(iv) लेखक का घर किस शहर में था?

(क) दिल्ली में

(ख) राजस्थान में

(ग) ग्वालियर में

(घ) जयपुर में

(v) कबूतर इधर उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?

(क) दोनों अंडे टूट जाने के कारण

(ख) ठण्ड के कारण

(ग) घोंसला न मिलने के कारण

(घ) कोई नहीं

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर चार प्रश्नों के सर्वाधिक सही विकल्पों का चयन कीजिए -

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। ततांरा

का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(i) पासा गाँव में किसका आयोजन हुआ ?
(क) पशु-पर्व का
(ख) पर्व का
(ग) मेले का
(घ) कोई नहीं

(ii) पशु-पर्व में प्रदर्शन होता था -
(क) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का
(ख) युवकों की शक्ति परीक्षा का
(ग) उपरोक्त दोनों नहीं
(घ) उपरोक्त दोनों

(iii) शाम से सभी लोग एकत्रित होने लगे -
(क) पासा में
(ख) गाँव में
(ग) लपाती में
(घ) मैदान में

(iv) नारियल के झुंड के पीछे कौन था?
(क) माँ
(ख) वामीरो
(ग) महिला
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(v) माँ आग बबूला हो गई क्योंकि उसने ..... ।

(क) वामीरो को रोते हुए देखा

(ख) युवकों को देखा

(ग) तताँरा और वामीरों को देख लिया

(घ) पशुओं को देखकर